

14/6/24

पत्रावली पत्रे हुयी। वाही व वहील वाही अनुपरीक्षा
 का-कार आवाज लगवानी गयी। आवाज लाजावाले दालत
 के उपरांत भी वाही की ओर से कोई उपस्थित लास
 नहीं आया। अतः वाही का वाड पत्र अडक हाथ
 अडक फेरनी में खारीज की जाती है पत्रावली
 पत्रावली अडक होकर वास्तु है अतः हीन कारिका
 रपत है)



(राजवीर सिंह यादव)
 उपखण्ड अधिकारी
 नीमकावाणा (राज.)

